Semester-V, MJC-8, MIC-5

अक्षमता अथवा (Disability)

व्यवहार अथवा क्रियाशीलता के प्रदर्शन की योग्यता में कमी आना, जिससे बच्चों का व्यवहार सामान्य बच्चों की परिधि में नहीं आता हो। अक्षमता निम्न क्षेत्रों से सम्बन्धित होती है :– (i) शारीरिक अक्षमता (ii) मानसिक अक्षमता (iii) सामाजिक अक्षमता।

मानसिक अक्षमता से युक्त बालक :– मानसिक अक्षमता से युक्त बालक सामान्य क्रियाओं में भाग लेने में अपने को रोकते हैं या उसमें भाग नहीं ले पाते हैं।

(1) मंद बुद्धि बालक :– इस तरह के बालकों में सीमित मानसिक विकास पाया जाता है, ऐसे बालक इलाज या प्रशिक्षण से पूर्णतया ठीक नहीं किये जा सकते हैं। इन बालकों के लिए निम्न प्रबंध किया जाना चाहिए –

(i) विशेष रूप से बनाये गये मंद बुद्धि विद्यालय में भेजना चाहिए।

(ii) स्कूल में विशेष प्रबंध के साथ शिक्षा देनी चाहिए।

(iii) प्रशिक्षित शिक्षक तथा विशिष्ट कार्यक्रम का प्रबंध करना चाहिए।

(2) प्रतिभाशाली बालक :– इन बालकों की बौद्धिक क्षमताएँ सर्वोत्तम होती है। ये बालक देश तथा समाज के प्रत्येक क्षेत्र में पाये जाते हैं। ऐसे बालक अक्षम नहीं बल्कि विशिष्ट बालक होते हैं, परन्तु सामान्य बालकों से अलग होते हैं।

(i) इन बालकों का समायोजन सामान्य बच्चों के साथ नहीं किया जा सकता है।

(ii) इनके मित्रों की संख्या काफी कम होती है।

(iii) इनकी इतनी जिज्ञासा होती है कि हमेशा अध्यापक इन्हें डाँटते हैं।

(3) भाषा दोष वाले बालक :– बच्चों में चार वर्ष तक भाषा दोष रहती है यदि इन्हें नहीं सुधारा गया तो ये स्थायी रूप ले लेते हैं इससे बालकों में हीनता की भावना उत्पन्न हो जाती है। बालकों में भाषा दोष निम्नलिखित होते हैं :–

(i) <u>उच्चारण में दोष</u> :— जैसे-~~कर्कश कहना~~ स को श कहना, ज तथा च में अन्तर न करना।

(ii) <u>वाणी विकार</u> :— तुतलाना, हकलाना, नाक से बोलना, कर्कश बोलना।

(iii) वाक्य संरचना में दोष।

(iv) शब्द अर्थ में सम्बन्धित दोष ।

सुझाव :— (i) बालकों को भाषा के प्रति रूचि उत्पन्न करना (ii) अपनी आयु के बच्चों के साथ बात करना (iii) बच्चों की त्रुटिपूर्ण, दोषपूर्ण भाषा को आलोचना करना या टोकना चाहिए (iv) बच्चों के समक्ष सही भाषा का प्रयोग बार—बार करना चाहिए (v) बच्चे को अच्छा श्रोता या बार—बार अभ्यास कराना चाहिए।

Madhurima-Mishra
12.11.2025